## M.Com. 3rd Semester

# SWOT ANALYSIS

Dr. Himanshu Agarwal
Associate Professor
Dept. of Commerce
D. N. College, Meerut

# SWOT Analysis

**SWOT (शक्ति, कमजोरी, अवसर तथा खतरे)**

कई तकनीकों में से एक है, जो कम्पनी की शक्तियों तथा कमजोरियों का मूल्यांकन करता है,तथा उन्हें पर्यावरण सम्बन्धी अवसरों एवं खतरों से मिलता हैं। ऐसा करने से कम्पनी का लाभ उठा सकती है तथा खतरों को रोक सकती है।

उदाहरण - यदि कम्पनी की वित्तीय क्षेत्र में सुदृढ़ अवस्था है तो वह उत्पादन सुविधाओं में प्रसार करके तथा तकनीकी क्षमता का विसतार करके अपने बाजार हिस्से में सुधार ला सकती है।

S- strength (शक्ति, ताकत, क्षमता)

W-weaknesses(कमजोरी, दुर्बलता)

O-oppprtunities(अवसर, मौका)

T- Threts (खतरा, समस्याएं, चुनौती)

# S.W.O.T. शब्दों का अर्थ

Strength(**क्षमता या शक्ति**)–इसका आशय किसी संस्था अथवा उपक्रम में मौजूद उन सभी तत्वों से हैं जिनका प्रयोग करके व्यवसायी प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेता है तथा लाभ प्राप्त करता है।

Weaknesses(**दुर्बलता**)-कमजोरियाँ संसाधनों तथा क्षमताओं में रूकावट, सीमाओं, तथा बाधाओं का कार्य करती है।

Opportunities(**अवसर**)-व्यावसायिक पर्यावरण के अन्तर्गत बाह्य तत्त्व तथा ताकतें होती हैं जो कम्पनी को बाजार हिस्से तथा लाभदायकता के क्षेत्र में वृद्धि करने तथा विकास करने में सहायता प्रदान करते हैं।

Threats(**खतरे** )- खतरे व्यावसायिक वातावरण में बाहरी हिस्से तथा शक्तियाँ है जो व्यवसाय के लिए चुनौती बन जाती हैं तथा विकास,बाजार, हिस्से एवं व्यवसाय की लाभदायकता में कमी लाते हैं। धीमी गति से बाजार का विकास,बहुराष्ट्रीय कम्पनिययों का प्रवेष आदि भारतीय व्यावसायिक घरानों के लिये खतरे हैं।

# स्वॉट विश्लेषण की परिभाषा

- फिलिप कोटलर के अनुसार,*“ एक कम्पनी की शक्तियों, दुर्बलताओं, अवसादों व कठिनाइयों सम्बन्धी सम्पूर्ण मूल्यांकन ही स्वॉट विश्लेषण कहलाता हैं।”*
- *“ स्वॉट विश्लेषण एक व्यवसाय को प्राप्त मौकों का अधिक से अधिक लाभ लेकर अपनी क्षमताओं का अधिक से अधिक प्रयोग करना सिखाता है।”*

Thank You